व्यष्टि अर्थशास्त्र

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Question Answer)

TOP 30

MOST IMPORTANT QUESTIONS WITH ANSWER

1. मांग वक्र बाएं से दायें नीचे की ओर क्यों गिरता है ?

उत्तर:-

मांग के नियम के अनुसार, जब मांग को प्रभावित करने वाले अन्य सभी कारक स्थिर रहते हैं तो क्रेता कम कीमत पर किसी वस्तु की अधिक तथा अधिक कीमत पर उसकी कम मात्रा खरीदता है। कीमत तथा मांग की मात्रा में इस विपरीत संबंध के कारण मांग वक्र बायें से दायें नीचे की ओर ढालू होता है ।

2. सीमांत लागत को तालिका द्वारा स्पष्ट कीजिये ।

उत्तर:- किसी बस्तु के एक कम या एक अधिक इकाई का उत्पादन करने से कुल लागत में जो परिवर्तन आत है, उसे सीमांत लागत कहते है अर्थात अतिरिक्त इकाई की अतिरिक्त लागत को सीमांत लागत (MC) कहते है ।

उत्पादन की इकाई (Q)	कुल लागत (TC)	सीमांत लागत (MC)
1	20	10
2	40	20
3	80	40
4	130	50

3. स्थिर लागत एवं परिवर्तनशील लागत का अर्थ स्पष्ट कीजिये ।

उत्तर:- **स्थिर लागत :-** उत्पादन के स्थिर साधनों पर किया गया व्यय स्थिर लागत कहलाता है । यह उत्पादन में होने वाले परिवर्तन से प्रभवित नहीं होता है ।

परिवर्तनशील लागत :- उत्पादन के परिवर्तनशील साधनों पर होने वाले व्यय को परिवर्तनशील लागत कहते है । जो उत्पादन के साथ साथ घटता या बढ़ता रहता है ।

4. स्थानापन्न वस्तुओं और पुरक वस्तुओं के बीच अंतर बताइए ।

उत्तर:-

स्थानापन्न वस्तुएं	पूरक वस्तुएं
वह वस्तुयें जिनका उपयोग एक दुसरे के स्थान पर किया जा सकता है उन्हें स्थानापन्न वस्तुएं कहते है ।	वे वस्तुएं जिनका प्रयोग किसी एक ही कार्य के लिए एक साथ उपोयोग किया जाता है, उन्हें पूरक वस्तुएं कहते है ।
एक वस्तु की कीमत तथा दुसरे के मांग के बीच धनात्मक सम्बन्ध होता है	एक वस्तु की कीमत तथा दुसरे के मांग के बीच ऋणात्मक सम्बन्ध होता है

5. मांग के नियम की व्यख्या कीजिये ।

उत्तर:- **मांग का नियम :** मांग के नियम का प्रतिपादन मार्शल ने किया था । इस नियम के अनुसार वस्तु की कीमत और मांग की मात्र के बीच ऋणात्मक सम्बन्ध पाया जाता है ।

मार्शल के अनुसार, "किसी वस्तु की कीमत में होने वाली से मांग की मात्रा बढ़ जाती है जबकि वस्तु की कीमत बढ़ जाने से मांग की मात्रा घट जाती है ।"

वस्तु की कीमत (P)	मांग की मात्रा (Q)
10	20
8	30
6	40
4	50

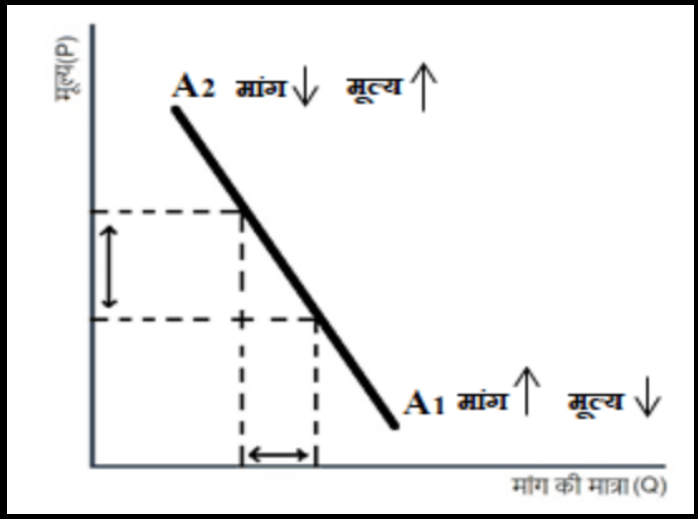

6. मांग तालिका और मांग वक्र से आप क्या समझते है ?

उत्तर:- **मांग तालिका -** किसी वस्तु को भिन्न भिन्न कीमत पर खरीदी जाने वाली मात्रा को दर्शाने वाली तालिका को मांग तालिका कहते है ।

मांग तालिका के दो प्रकार है -

1.व्यक्तिगत मांग तालिका

2.बाजार मांग तालिका

मांग वक्र - वस्तु विभिन्न कीमतों पर खरीदी जाने वाली मात्रा को जिस वक्र के द्वरा दर्शाया जाता है उसे मांग वक्र कहते है ।

7.पूर्ति लोच को परिभाषित कीजिये और इसे मापने की विधियाँ बताइए।

उत्तर:- किसी वस्तु की कीमत में कीमत में होने वाले प्रर्तिशत परिवर्तन के कारण उसके पूर्ति की मात्रा में होने वाले परिवर्तन के आनुपातिक सम्बन्ध को पूर्ति की लोच कहते है ।

पूर्ति लोच को मापने की दो विधियाँ प्रचलित है -

1. रेखा गणितीय रीति : इस रीति द्वारा पूर्ति की लोच की गणना करने के लिए निम्न सूत्र का प्रयोग किया जाता है -

   पूर्ति को लोच = X अक्ष पर क्षैतिज खंड / दी गई कीमत पर पूर्ति की मात्रा

2. प्रतिशत रीति - इस विधि द्वारा पूर्ति की लोच की गणना करने के लिए निम्न सूत्र का प्रयोग किया जाता है -

   पूर्ति की लोच = पूर्ति की मात्रा में प्रतिशत परिवर्तन / कीमत में प्रतिशत परिवर्तन

8. मांग वक्र नीचे क्यों गिरता है?

उत्तर:- मांग वक्र का ढाल बाएं से दायें नीचे की ओर गिरता हुआ होता है क्योकि वस्तु की कीमत और मांग की मात्रा में विपरीत सम्बन्ध होता है ।

ऐसा होने के प्रमुख कारण है-

1.सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम की क्रियाशीलता

2.उपभोक्ता का आय प्रभाव

3.वस्तु का प्रतिस्थापन प्रभाव

4.वस्तु के मूल्य में कमी होने पर क्रेताओं की संख्या में वृद्धि होना

5.वस्तु के विभिन्न उपयोगो का होना ।

9. सीमांत और औसत लागत में क्या सम्बन्ध है?

उत्तर:- सीमांत लागत और औसत लागत में सम्बन्ध -

1. औसत लागत और सीमांत लागत दोनों की गणना कुल लागत से की जाती है-

   AC = TC / Q तथा MC = TCn - TC(n-1)

2. जब AC गिरती है तब MC इससे कम रहती है ।
3. जब AC बढती है तो सीमांत लागत भी बढती है
4. जब औसत लागत स्थिर रहती है तब सीमांत लागत भी उसके बराबर होगी ।

10. पूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकार के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिये।

उत्तर:

पूर्ण प्रतियोगिता	एकाधिकार
ऐसा बाजार जिसमे क्रेता एवं विक्रेताओं की संख्या असंख्य होती है ।	ऐसा बाजार जिसमे केवल एक ही विक्रेता होता है ।
औसत आगम और सीमांत आगम बराबर होते है। AR = MR	औसत आगम सीमांत आगम से अधिक होता है। AR>MR
दीर्घकाल में केवल सामान्य लाभ ही लिया जा सकता है।	दीर्घकाल में असामान्य लाभ अर्जित किया जा सकता है ।
नयी फर्मों का स्वतंत्र प्रवेश होता है	नयी फर्मों का प्रवेश वर्जित है

11. बाजार मूल्य और सामान्य मूल्य में परस्पर सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिये ।

उत्तर:- **बाजार मूल्य** - अति अल्पकाल में निर्धारित होने वाला मूल्य बाजार मूल्य कहलाता है । इसमें उतार चढ़ाव अत रहता है ।

सामान्य मूल्य - किसी वस्तु का वह मूल्य जो दीर्घकाल बाजार में पाया जाता है । सामान्य मूल्य वह है जिसके चारो ओर बाजार मूल्य चक्कर लगाता है । यह सत्य है की बाजार मूल्य सदा सामान्य मूल्य के चारों ओर घूमता रहता है और बाजार मूल्य की प्रवृत्ति हमेशा सामान्य मूल्य के बराबर हो जाने की होती है।

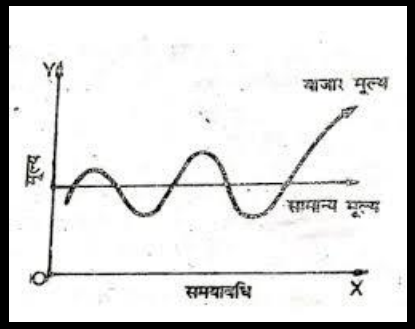

12. मांग की कीमत लोच को प्रभावित करने वाले किन्ही तीन तत्वों की व्याख्या कीजिये ।

उत्तर :- मांग की कीमत लोच को प्रभावित करने वाले तत्व:-

1. **वस्तु की प्रकृति -** अनिवार्य वस्तुओं जैसे अनाज, नमक आदि की मांग बलोच होती है क्युकी यह उपभोग के लिए आवश्यक वस्तुए है । जबकि विलासिता की वस्तुएं (जैसे शराब, कार) लोचदार होती है क्युकि यह जीवन के लिये आवश्यक नही होती है ।
2. **स्थानापन्न का होना :-** जिन वस्तुओं का निकटतम स्थानापन्न होता है वह लोचदार होती है किन्तु जिनका निकटतम स्थानापन्न मौजूद नहीं होता है वह सापेक्षता बेलोच्दर होती है
3. **वस्तुओं के विभिन्न प्रयोग : प्रो**. मार्शल का कहना है की जिन वस्तुओं के विभिन्न प्रयोग होते है, उनकी मांग मूल्य सापेक्ष होती है क्युकी मूल्य में कमी होने पर उनका उपभोग बढ जाता है तथा मूल्य में कमी होने पर उनका उपभोग बाद जाता है ।
   उदाहरण: बिजली ।

13. पूर्ण प्रतियोगिता से आप क्या समझते है ?

उत्तर:-

पूर्ण प्रतियोगिता बाजार की वह स्थिति है जिसमे क्रेता और विक्रेता बड़ी संख्या में समरूप वस्तु का विनिमय करते है । उनको बाजार की अवस्था का पूर्ण ज्ञान होता है तथा कीमत की प्रवृत्ति समस्त बाजार में एक समान होती है।

14. बाजार की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन करें ।

उत्तर:- बाजार की प्रमुख विशेषताएं -

1. बाजार का अर्थ स्थान से नहीं बल्कि क्षेत्र से होता है ।
2. बाजार किसी वस्तु विशेष का होता है ।
3. बाजार में वस्तु के क्रेता और विक्रेता मौजूद होते है ।
4. वस्तु की एक निश्चित कीमत प्रचलित होती है।

15. एक साधन के प्रतिफल से क्या आशय है?

उत्तर:- यह अल्पकालीन उत्पादन फलन की अवधारणा है जिसके अंतर्गत उत्पादन के बाकि साधनों को स्थिर रखकर केवल एक साधन में ही परिवर्तन किया जाता है जिससे वस्तु की उत्पादन मात्रा में भी परिवर्तन होता है।

16. अवसर लागत क्या है?

उत्तर:-

किसी वस्तु की अवसर लागत वह सर्वश्रेष्ठ विकल्प है, जिसका उत्पादन उन्ही उत्पत्ति साधनों द्वारा उसी लागत पर उस वस्तु के विकल्प के रूप में करता है ।

17. कुल आगम, औसत आगम और औसत आगम से क्या तात्पर्य है?

उत्तर:-

कुल आगम - किसी वस्तु की सभी इकाईयों की बिक्री से प्राप्त आय को कुल आगम कहते है ।

औसत आगम:- वस्तु की प्रति इकाई कीमत को औसत आगम कहते हैi कुल आगम को बिक्री की इकाइयों से भाग देकर प्राप्त राशि को औसत आगम कहते है ।

18. आर्थिक समस्या को चुनाव की समस्या क्यों कहते है ?

उत्तर:-

मनुष्य की आवश्यकताएं असीमित और साधन सीमित होते है। सीमित साधनों के विभिन्न विकल्प मौजूद होते है जिनमे से सर्वश्रेष्ठ विकल्प का चुनाव करना होता है जिससे मनुष्य की अधुकतम आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके । वास्तव में यही आर्थिक समस्या है और इसमें सर्वोत्तम विकल्प का चुनाव करना करना होता है इसलिए इसे चुनाव की समस्या भी कहते है ।

19. उपभोक्ता संतुलन का क्या अर्थ है ? इसकी मान्यताएं लिखे ।

उत्तर:- एक ऐसी स्थिति जिसके अंतर्गत उपभोक्ता आपनी आय को किसी वस्तु पर व्यय करके अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करता है, उसे उपभोक्ता संतुलन कहते है ।

उपभोक्ता संतुलन की मान्यताएं-

1. उपभोक्ता की आय में परिवर्तन नही होना चाहिए
2. उपभोक्ता की आदत और रूचि में कोई परिवर्तन नहीं हो
3. उपभोक्ता में व्यय करने की तत्परता बदलनी नहीं चाहिए ।

20. बजट रेखा को परिभाषित कीजिये । यह दायीं ओर कब खिसकता है?

उत्तर:- बजट रेखा / कीमत रेखा दो वस्तुओं के उन विभिन्न संयोगों को व्यक्त करती है जो उपभोक्ता अपनी दी हुई आय एवं वस्तुओं की वर्तमान कीमत के अधर पर खरीद सकता है।

बजट रेखा दाई ओर दो कारणों से खिसकता है -

A) उपभोक्ताओं की आय में परिवर्तन होने पर

B) वस्तु की कीमत में परिवर्तन होने पर

21. "मांग और पूर्ति कैंची के दो फलक है ।" इस कथन को मूल्य निर्धारण के सन्दर्भ में व्यक्त कीजिये ।

उत्तर:- जिस प्रकार किसी वस्तु को काटने के लिए कैंची के दोनों फलकों का होना आवश्यक है ठीक उसी प्रकार किसी वस्तु के कीमत के निर्धारण के लिए वस्तु के मांग और पूर्ति का होना आवश्यक है। जिस बिंदु पर मांग और पूर्ति दोनों बराबर हो जाते है उसी बिंदी पर कीमत का निर्धारण होता है ।

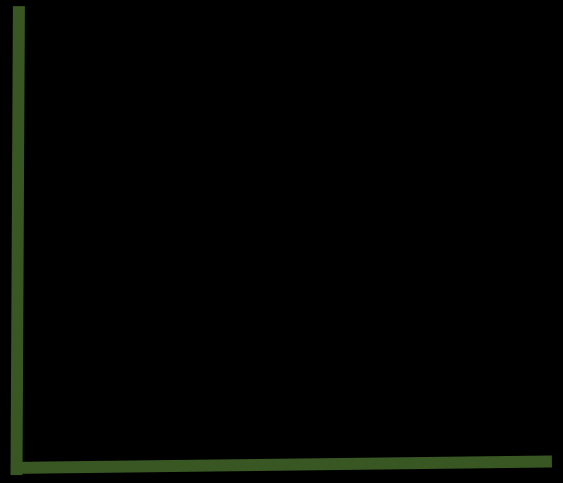

22. एकाधिकारी बाजार की कीमत कैसे निर्धारित होती है ?

उत्तर:-

एकाधिकारी में वस्तु की कीमत का निर्धारण एकाधिकारी (विक्रेता) स्वयं करता है । एकाधिकारी अधिक लाभ कमाने के लिए वस्तु की कीमत अधिक रखना चाहता है किन्तु यदि वह अधिक मात्र का विक्रय करना चाहता है तो वस्तु की कीमत कम से कम रखना होगा ।

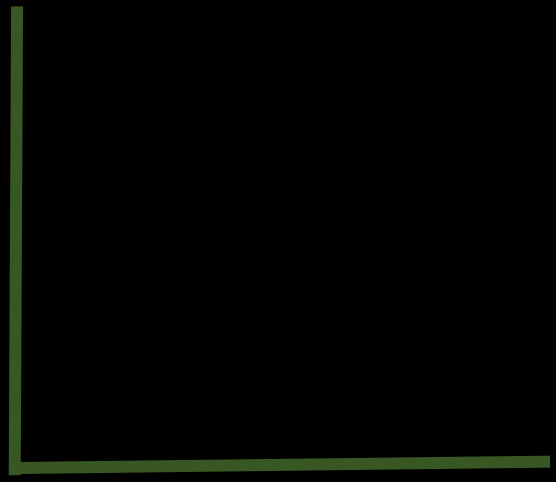

23. पूर्ति में परिवर्तन के क्या कारण है ?

उत्तर:-

पूर्ति में परिवर्तन के कारण -

- वस्तु की कीमतों में परिबर्तन
- विक्रेताओं की संख्या में परिवर्तन
- उत्पादन के साधनों की कीमतों में परिवर्तन

24. पूर्ति की कीमत लोच को परिभाषित कीजिये ।

उत्तर :-

वस्तु की कीमत में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन के कारण वस्तु की पूर्ति की मात्र में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन के बीच के आनुपातिक सम्बन्ध को पूर्ति की कीमत लोच कहते है ।

25. एक वस्तु की बाजार मांग को प्रभावित करने वाले तत्व को बताइए ।

उत्तर:- वस्तु की बाजार मांग को प्रभावित करने वाले कारक-

1. वस्तु की कीमत
2. उपभोक्ताओं की आय
3. संबंधित वस्तुओं की कीमतें
4. निकट भविष्य में वस्तु की कीमत में परिवर्तन की सम्भावना

26. गिफिन के विरोधाभास को संक्षेप में समझाइए ।

उत्तर:-

गिफिन वस्तुएं वह वस्तुए है जिसमे मांग का नियम लागु नहीं होता है अर्थात इस वस्तुओं की कीमतों में कमी होने से मांग में और कमी होने लगती है और कीमतों के बढने से मांग बदने लगती है जो कि मांग के नियम के विपरीत है इसलिए इसे गिफिन के विरोधाभास के रूप में जाना जाता है ।

27. मांग के नियम के क्या अपवाद है ?

उत्तर:-

मांग के नियम के अपवाद -

- गिफिन वस्तुएं,
- मौसम में परिवर्तन,
- प्रतिष्ठा सूचक वस्तुएं और
- फैशन से संबंधित वस्तुएं ।

28. व्यष्टि अर्थशास्त्र को परिभाषित कीजिये ।

उत्तर:-

अर्थशास्त्र की वह शाखा जिसके अंतर्गत अर्थव्यवस्था की व्यक्तिगत और सूक्ष्म आर्थिक समस्याओं का अध्ययन किया जाता है जैसे एक उपभोक्ता , एक उत्पादक, एक वस्तु की कीमत का निर्धारण आदि व्यष्टि अर्थशास्त्र कहते है ।

29. पैमाने के प्रतिफल' और 'साधन के प्रतिफल' में अंतर समझाइए ।

उत्तर:-

पैमाने के प्रतिफल	साधन के प्रतिफल
पैमाने के प्रतिफल का सम्बन्ध दीर्घकालीन उत्पादन फलन से है।	साधन के प्रतिफल का सम्बन्ध अल्पकालीन उत्पादन फलन से है ।
इसके अंतर्गत उत्पादन के सभी साधनों में समान अनुपात में परिवर्तन किया जाता है जिससे उत्पादन का पैमाना बदल जाता है ।	इसके अंतर्गत उत्पादन के कूछ साधनों को स्थिर रखकर कुछ साधनों में परिवर्तन किया जाता है जिससे उत्पादन में परिवर्तन होता है ।

30. सीमांत उपयोगिता एवं कुल उपयोगिता को रेखाचित्र द्वारा स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: **सीमांत उपयोगिता (Marginal Utility):** किसी वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई के उपयोग से। कुल उपयोगिता में जो वृद्धि होती है, उसे सीमांत उपयोगिता कहते हैं।

कुल उपयोगिता (Total Utility): उपभोग की सभी इकाइयों के उपभोग से उपभोक्ता को जो उपयोगिता प्राप्त होती है, उससे कुल उपयोगिता कहते हैं।

31. सीमांत प्रतिस्थापन दर क्या है?

उत्तर:

संतुष्टि के समान स्तर को बनाए रखने के लिए वस्तु Y की वह मात्रा जो उपभोक्ता वस्तु X की एक अतिरिक्त इकाई को प्राप्त करने के लिए त्यागने को तत्पर रहता है, X की Y के लिए सीमांत प्रतिस्थापन दर कहलाएगी।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

LIKE AND ***SHARE*** The Video

SUBSCRBE THE CHANNEL

THE ECONOMICS GURU

FOLLOW ME ON INSTAGRAM / @theeconomicsguru

FOLLOW ME ON FACEBOOK / NAKUL DHALI

For PDF visit my website: www.theeconomicsguru.com